Pantnagar This Week

Official Newsletter of G.B. Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar, Uttarakhand

May 17 - May 24, 2026

Gyan Deeksha Ceremony: A Novel Initiative for Graduating Students of Pantnagar University

Dr. Sudhanshu Trivedi (Member, Rajya Sabha), Pantnagar Alumnus and Renowned Thinker Addresses the Students

विश्वविद्यालय जीवन के चार वर्ष होते हैं 'स्वर्णिम'

जीबी पंत विवि के 'ज्ञान दीक्षा-2026' कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद डा. सुधांशु त्रिवेदी ने ताजा की पुरानी यादें

संवाद सूत्र, जागरण, पंतनगर : गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, नवाचार एवं जीवन मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को "ज्ञान दीक्षा-2026" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे राज्यसभा सांसद डा. सुधांशु त्रिवेदी ने विद्यार्थियों को जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और वैज्ञानिक सोच विकसित करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ डा. सुधांशु एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शिवेंद्र कुमार कश्यप ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि डा. त्रिवेदी ने कहा कि पंतनगर विश्वविद्यालय केवल डिग्री देने वाला संस्थान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और नेतृत्व क्षमता विकसित करने की पाठशाला है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय जीवन के चार वर्ष विद्यार्थियों के "स्वर्णिम दिवस" होते हैं, जिनकी स्मृतियां जीवनभर प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि आज का समय केवल सूचना प्राप्त करने का नहीं, बल्कि ज्ञान को व्यवहार में उतारने का है। "ज्ञान" व्यक्ति को जानकारी देता है, जबकि "दीक्षा" जीवन को दिशा और उद्देश्य प्रदान करती है। उन्होंने विद्यार्थियों से सकारात्मक सोच, नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने विज्ञान, तकनीक, क्वांटम कंप्यूटिंग, कास्मिक एनर्जी, चेतना एवं आधुनिक शिक्षा व्यवस्था पर भी विचार रखे। कहा कि बदलते समय में युवाओं को शोध, पेटेंट, स्टार्टअप व नवाचार की दिशा में कार्य करना चाहिए।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. कश्यप ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए निरंतर नई पहल कर रहा है। "ज्ञान दीक्षा-2026" विद्यार्थियों को नई सोच और सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करेगा। कार्यवाहक कुलसचिव डा. आरएस. जादौन ने अतिथियों का स्वागत किया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. विपिन ध्यानी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सह अधिष्ठात्री छात्र कल्याण डा. छाया शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की नियंत्रक, निदेशक प्रशासन एवं अनुश्रवण, विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, शिक्षक, कर्मचारी एवं अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

विवि के गांधी हाल में ज्ञान दीक्षा 2026 कार्यक्रम में मौजूद लोग तथा संबोधन के दौरान राज्यसभा सांसद एवं वक्ता डा. सुधांशु त्रिवेदी • जागरण

पंतनगर के छात्र से राष्ट्रीय प्रवक्ता तक पहुंचे डा. सुधांशु

जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र एवं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी आज राष्ट्रीय राजनीति का चर्चित चेहरा बन चुके हैं। तकनीकी शिक्षा से राजनीति तक का उनका सफर विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा माना जाता है। डा. सुधांशु ने पंतनगर विश्वविद्यालय के कालेज आफ टेक्नोलाजी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई 1987 बैच में पूर्ण की थी। छात्र जीवन में ही वे अपनी तार्किक क्षमता व नेतृत्व गुणों के कारण चर्चाओं में रहने लगे थे। इंजीनियरिंग शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में उच्च शिक्षा एवं शोध कार्य भी किया। शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने अध्यापन क्षेत्र में भी कार्य किया। इसके बाद सार्वजनिक जीवन में सक्रिय होकर भारतीय जनता पार्टी से जुड़े और धीरे-धीरे पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ताओं में शामिल हो गए।

युवाओं को मिला नवाचार और जीवन मूल्यों का संदेश

पंतनगर, (पंजाब केसरी): गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, नवाचार और जीवन मूल्यों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ज्ञान दीक्षा 2026 कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, राज्यसभा सांसद एवं विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र डॉ. सुधांशु त्रिवेदी तथा कुलपति प्रो. शिवेंद्र कुमार कश्यप ने दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पंतनगर विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाला संस्थान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व क्षमता और जीवन मूल्यों को विकसित करने वाली एक सशक्त पाठशाला है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय जीवन के चार वर्ष विद्यार्थियों के लिए स्वर्णिम समय होते

हैं, जो जीवनभर प्रेरणा और ऊर्जा देते हैं। उन्होंने कहा कि आज का युग केवल सूचना का नहीं, बल्कि ज्ञान को व्यवहार में उतारने और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने का है। ज्ञान जहां दिशा देता है, वहीं दीक्षा जीवन को उद्देश्य प्रदान करती है। डॉ. त्रिवेदी ने पंतनगर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परंपरा, अनुशासन और संस्कृति की सराहना करते हुए कहा कि यहां विद्यार्थियों को केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि जीवन के वास्तविक अनुभव, टीम भावना और नेतृत्व के गुण भी सिखाए जाते हैं। इस अवसर पर कुलपति प्रो. एस.के. कश्यप ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है और ज्ञान दीक्षा 2026 जैसी पहल उन्हें नई सोच और प्रेरणा प्रदान करेगी। अतिथियों का स्वागत कार्यवाहक कुलसचिव डॉ. आर.एस. जादौन ने किया, जबकि आभार अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. विपिन ध्यानी ने व्यक्त किया।

'ज्ञान दीक्षा 2026' कार्यक्रम में बोले पूर्व छात्र डॉ. सुधांश त्रिवेदी

'पंतनगर विवि व्यक्तित्व निर्माण की पाठशाला'

कार्यक्रम

पंतनगर, संवाददाता। गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, नवाचार और जीवन मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'ज्ञान दीक्षा 2026' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पंतनगर विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाला संस्थान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व क्षमता और जीवन मूल्यों को विकसित करने वाली सशक्त पाठशाला है।

शनिवार को कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. सुधांशु त्रिवेदी और कुलपति प्रो. शिवेंद्र कुमार कश्यप ने दीप प्रज्वलित कर किया। डॉ. सुधांशु ने उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय जीवन के चार वर्ष विद्यार्थियों के स्वर्णिम दिन होते हैं, जो जीवनभर प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञान व्यक्ति को सूचना देता है, जबकि दीक्षा जीवन को दिशा और उद्देश्य प्रदान करती है। विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच, रचनात्मकता और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने विज्ञान, तकनीक, क्वांटम कंप्यूटिंग, ब्रह्मांडीय ऊर्जा, चेतना और आधुनिक शिक्षा व्यवस्था पर विचार रखते हुए युवाओं से वैज्ञानिक सोच और शोध की भावना विकसित करने का आह्वान किया।

जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर में शनिवार को छात्रों को संबोधित करते मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी।

■ विद्यार्थियों को नवाचार और जीवन मूल्यों का संदेश दिया

उन्होंने विद्यार्थियों को शोध, पेटेंट, नवाचार और नवउद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कुलपति प्रो. शिवेंद्र कुमार कश्यप ने कहा कि कार्यक्रम विद्यार्थियों को नई सोच, प्रेरणा और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करने वाली पहल है। कार्यवाहक कुलसचिव डॉ. आरएस जादौन ने अतिथियों का स्वागत किया, जबकि अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. विपिन चंद्र ध्यानी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सह-अधिष्ठात्री छात्र कल्याण डॉ. छाया शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में विवि के अधिष्ठाता, निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी तथा विभिन्न डिग्री कार्यक्रमों के अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

साहित्य कुंभ, पुस्तक मेला 30 मई को

काशीपुर। शहर में साहित्य कुंभ एवं पुस्तक मेला 2026 का आयोजन 30 मई को किया जाएगा। शनिवार को कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ. रजनीश कुमार शर्मा ने बताया कि यह आयोजन शनिवार शाम 6 बजे से शगुन गार्डन में होगा। कार्यक्रम में शहर और आसपास के क्षेत्रों के साहित्यकार, कवि, लेखक, शिक्षाविद, विद्यार्थी और साहित्य प्रेमी बड़ी संख्या में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य काशीपुर के साहित्यकारों को व्यापक पहचान दिलाना, स्थानीय लेखकों और रचनाकारों का उत्साहवर्धन करना तथा पाठकों और साहित्यकारों के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है। कार्यक्रम में शहर के 40 साहित्यकारों को सम्मानित किया जाएगा।

पंत विवि जीवन मूल्यों को विकसित करने वाली पाठशाला : डॉ. त्रिवेदी

पंतनगर/रुद्रपुर। जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, नवाचार और जीवन मूल्यों को प्रोत्साहित करने के लिए शनिवार को ज्ञान दीक्षा-2026 का आयोजन किया गया। शुभारंभ विवि के पूर्व छात्र, प्रख्यात चिंतक एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी और कुलपति प्रो. शिवेंद्र कश्यप ने किया।

डॉ. सुधांशु ने कहा कि पंतनगर विवि केवल डिग्री प्रदान करने वाला शिक्षण संस्थान नहीं बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व क्षमता और जीवन मूल्यों को विकसित करने वाली पाठशाला है। विवि जीवन के चार वर्ष किसी भी विद्यार्थी के जीवन के स्वर्णिम दिन होते हैं जिनकी स्मृतियां जीवनभर ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करती हैं।

उन्होंने कहा कि आज का युग केवल सूचना प्राप्त करने का नहीं बल्कि ज्ञान को व्यवहार में उतारने और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने का है। ज्ञान का अर्थ सूचना होता है जबकि दीक्षा व्यक्ति को जीवन की दिशा और उद्देश्य प्रदान करती है जिसके लिए गुरु और मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने विवि जीवन में ऐसा वातावरण तैयार करें, जो उन्हें सकारात्मक सोच, रचनात्मकता और सामाजिक जिम्मेदारी की ओर प्रेरित करे। उन्होंने कहा कि विज्ञान और दर्शन एक-दूसरे के पूरक हैं। मानव जीवन का उद्देश्य केवल भौतिक उपलब्धियां प्राप्त करना नहीं, बल्कि आत्मविकास, जिम्मेदारी एवं मानवीय मूल्यों को आत्मसात करना भी है। इस

पंतनगर में विद्यार्थियों को जीवन मूल्यों का संदेश देते डॉ. सुधांशु त्रिवेदी। स्रोत : विवि

पंतनगर में बिताए क्षण आज भी सबसे अनमोल धरोहर : पंतनगर। डॉ. सुधांशु ने छात्र जीवन की यादें साझा करते हुए कहा पंतनगर विवि में बिताए क्षण आज भी उनके जीवन की अनमोल धरोहर हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति बनाए रखने की सलाह दी। इस दौरान उन्होंने विज्ञान, तकनीक, क्वांटम कंप्यूटिंग, कॉस्मिक एनर्जी, चेतना एवं आधुनिक शिक्षा व्यवस्था पर भी अपने विचार व्यक्त किए। संवाद

विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगी यह पहल

पंतनगर। कुलपति प्रो. एसके कश्यप ने कहा कि विवि विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। ज्ञान दीक्षा-2026 जैसी नई पहल विद्यार्थियों को नवीन सोच, प्रेरणा और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करेगी। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत डॉ. आरएस जादोन ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. छाया शुक्ला और डॉ. विपिन ध्यानी ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। संवाद

दौरान नियंत्रक व निदेशक प्रशासन सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक रहे। संवाद

Pantnagar University's AICRP on Pulses receives National Best Centre Award for Kharif Pulses

DG ICAR Dr. M.L. Jat presented the Award during the Annual Group Meet of Pulses held at UAS, Bangalore

दलहन शोध में पंतनगर विवि को मिला देश का सर्वश्रेष्ठ केंद्र पुरस्कार

पंतनगर (उद संवाददाता)। गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की दलहन संबंधी अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (आईसीएआर) ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय के खरीफ दलहन शोध कार्यक्रम को देश का सर्वश्रेष्ठ केंद्र घोषित करते हुए पुरस्कृत किया गया है।यह प्रतिष्ठित सम्मान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के तत्वावधान में कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, जीकेवीके बैंगलोर में 5 से 7 मई 2026 तक आयोजित वार्षिक दलहन सम्मेलन

के दौरान प्रदान किया गया। आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट ने उप महानिदेशक डॉ. डीके यादव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में पंतनगर के दलहन समूह को इस गौरवशाली उपलब्धि के लिए सम्मानित किया।विश्वविद्यालय की ओर से दलहन फसलों के स्थानीय कार्यक्रम समन्वयक डॉ. एसके वर्मा के नेतृत्व में वैज्ञानिक डॉ. केपीएस कुशवाहा, डॉ. रुचिरा तिवारी, डॉ. जेपी पुरवार और डॉ. विनीता राठौर ने यह सम्मान ग्रहण किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एसके कश्यप ने दलहन वैज्ञानिकों की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए पूरी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों के इस समर्पण और शोध कार्यों से विश्वविद्यालय का मान बढ़ा है और यह कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में संस्थान की उत्कृष्टता को दर्शाता है।

कुलपति ने किया दलहन वैज्ञानिकों को सम्मानित

हाल में दलहन शोध परियोजना को मिला था सर्वश्रेष्ठ केंद्र पुरस्कार

संवाद न्यूज एजेंसी

रुद्रपुर। गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. शिवेंद्र कुमार कश्यप ने दलहन वैज्ञानिकों को सम्मानित किया।

हाल ही में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय जीकेवीके बेंगलुरु में आयोजित दलहन की वार्षिक कार्यशाला में पंतनगर विश्वविद्यालय की अखिल भारतीय समन्वित दलहन शोध परियोजना को सर्वश्रेष्ठ केंद्र पुरस्कार प्रदान किया था।

वैज्ञानिकों की इस उपलब्धि के लिए विवि के कुलपति डॉ. कश्यप ने

डॉ. एसके वर्मा को सम्मानित करते पंत विवि के कुलपति। स्रोत : विवि

मंगलवार को दलहन शोध में समन्वित रूप से कार्यरत वैज्ञानिकों को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए इस सम्मान को विश्वविद्यालय के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया।विभिन्न विभागों के वैज्ञानिकों को एकजुट होकर शोध करने की सलाह दी।

कुलपति ने अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के दलहन वैज्ञानिक डॉ. एस केवर्मा, डॉ. अंजू अरोरा, सस्य विज्ञान विभाग के डॉ. वीके सिंह, डॉ. डीके शुक्ला, डॉ. विनीता राठौर, मृदा विज्ञान विभाग की डॉ. पूनम गौतम, पादप रोग विभाग के डॉ. केपीएस कुशवाहा, डॉ. एलबी यादव, कीट विज्ञान विभाग की डॉ. रुचिरा तिवारी, डॉ. मीना अग्निहोत्री, डॉ. जेपी पुरवार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

Vice-Chancellor sets excellence yardsticks for all Assistant Professors to take Pantnagar to new levels of excellence

Talks heart-to-heart with all Assistant Professors

कृषि शिक्षा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाना लक्ष्य : डॉ. कश्यप

पंतनगर, (पंजाब केसरी): गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शनिवार को विश्वविद्यालय केंद्र स्थित समिति कक्ष में कुलपति डॉ. एस.के. कश्यप की अध्यक्षता में सहायक प्राध्यापकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों एवं विभागों के सहायक प्राध्यापकों ने प्रतिभाग किया। बैठक का उद्देश्य विश्वविद्यालय में शिक्षण, अनुसंधान, नवाचार एवं प्रसार गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाते हुए कृषि शिक्षा को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाना था। बैठक को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. एस.के. कश्यप ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल अध्यापन तक सीमित न रहें, बल्कि समाज, किसानों और विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नवाचार आधारित अनुसंधान कार्यों को आगे बढ़ाएं। उन्होंने कृषि, ग्रामीण विकास, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन, पोषण सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कृषि तकनीकों तथा उद्यमिता विकास जैसे समसामयिक विषयों पर शोध परियोजनाएं तैयार करने का आह्वान किया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर अग्रणी संस्थान बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सहायक प्राध्यापकों को उच्च गुणवत्ता वाली राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशित करने के लिए प्रेरित किया।

नवाचार आधारित शोध को बढ़ावा दें शिक्षक : कुलपति

कृषि, जलवायु परिवर्तन और एआई आधारित तकनीकों पर शोध परियोजनाएं तैयार करने का आह्वान

● जनवाणी संवाददाता, पंतनगर

जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.के. कश्यप ने शिक्षकों से केवल अध्यापन तक सीमित न रहकर समाज, किसानों और विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप नवाचार आधारित अनुसंधान कार्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

बैठक के दौरान उन्होंने कृषि, ग्रामीण विकास, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन, पोषण सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कृषि तकनीकों तथा उद्यमिता विकास जैसे समसामयिक विषयों पर शोध परियोजनाएं तैयार करने पर जोर दिया।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर अग्रणी संस्थान बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान बेहद आवश्यक है। उन्होंने सहायक प्राध्यापकों से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में उच्च गुणवत्ता वाले शोध पत्र प्रकाशित करने को कहा। साथ ही शोध कार्यों को किसानों की समस्याओं के समाधान, कृषि उत्पादकता वृद्धि और ग्रामीण आजीविका सुधार से जोड़ने पर बल दिया।

उन्होंने विभिन्न विभागों और संस्थानों के बीच सहयोगात्मक शोध कार्यों के लिए ह्यसमन्वय मॉडलह्न विकसित करने की आवश्यकता बताई। उनका कहना था कि विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ मिलकर कार्य करेंगे तो बेहतर शोध परिणाम सामने आएंगे।

बैठक में कुलपति ने समय प्रबंधन, कार्य संस्कृति, शैक्षणिक उत्तरदायित्व और दीर्घकालिक कार्ययोजना पर भी जोर दिया। उन्होंने शिक्षकों से आगामी 10 वर्षों की शैक्षणिक एवं अनुसंधान योजना तैयार करने तथा नवीन शिक्षण पद्धतियों एवं डिजिटल तकनीकों को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

इधर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के प्रसार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी ह्यविवृद्धि 2026ह्न में विद्यार्थियों ने नवाचार और मीडिया कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। संकल्प से सिद्धि : विकसित भारत 2047 थीम पर आधारित प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने पोस्टर, चार्ट, बुकलेट, फ्लायर, ब्रोशियर, लीफलेट, फ्लैश कार्ड, कॉफी टेबल बुक, वॉल न्यूज पेपर, प्रोडक्ट कैटलॉग तथा एलुमनाई डायरेक्ट्री जैसे आकर्षक मीडिया उत्पाद प्रस्तुत किए।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया खंड में ओवरकन्जम्पशन, सोचो और शेयर करो तथा एक मजाक, कई घाव विषयों पर आधारित लघु वीडियो, नाटक और रेडियो कार्यक्रम प्रदर्शित किए गए। वहीं शांति, प्रकृति और प्रेम विषयों पर रचनात्मक फोटोग्राफी, डिजिटल फ्रेम आर्ट, फोटो मैगजीन और अन्य मीडिया उत्पाद भी आकर्षण का केंद्र रहे। कुलपति डॉ. शिवेंद्र कुमार कश्यप ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के तकनीकी ज्ञान, रचनात्मकता, संचार कौशल एवं व्यावसायिक दक्षता को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर कोर्स इंचार्ज डॉ. अनुपमा पाण्डे, डॉ. पूजा टम्टा, डीन डॉ. अल्का गोयल, निदेशक संचार डॉ. जे.पी. जायसवाल, निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. जितेन्द्र क्वात्रा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. विपिन चन्द्र ध्यानी सहित विभिन्न विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

College of Agriculture has to take the lead in Creating innovation-led Ecosystem

VC holds meeting with the faculty members of College of Agriculture

---

'माडल कालेज' में विकसित होगा कालेज आफ एग्रीकल्चर : शिवेंद्र

शोध कृषि नवाचार एवं आय सृजन जैसी गतिविधियों के लिए प्रभावी

संसू जागरण, पंतनगर : गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर के कुलपति डा. शिवेंद्र कुमार कश्यप ने कृषि महाविद्यालय के संकाय सदस्यों से विश्वविद्यालय में शोध, नवाचार एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

कुलपति डा. कश्यप ने विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के समग्र विकास, शोध संस्कृति को सशक्त बनाने, विद्यार्थियों की उपलब्धियों को बढ़ावा देने तथा संस्थागत सहयोग को मजबूत करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षक एवं विद्यार्थियों के बीच मजबूत संबंध स्थापित होने से न केवल शैक्षणिक वातावरण बेहतर होगा बल्कि विद्यार्थियों का आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं व्यक्तित्व विकास भी सुदृढ़ होगा। इस क्रम में प्रत्येक स्नातक

पंत विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते पंत विवि के कुलपति डा. शिवें

विद्यार्थी के लि
कम एक सल
बैठकों में
प्रदर्शन, उपरि
व्यवहार, कौश
साफ्ट स्किल्स
भविष्य की
चर्चा होगी।

अपनी व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक समस्याओं को खुलकर साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि समय रहते उचित समाधान एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा सके।

बैठक में कालेज आफ एग्रीकल्चर को एक 'माडल कालेज' के रूप में विकसित करने की रूपरेखा पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस माडल का उद्देश्य ऐसे शोध एवं प्रोजेक्ट्स को

शोध संस्कृति को सशक्त बनाने पर देना होगा ध्यान : कुलपति

संवाद न्यूज एजेंसी

कुलपति ने संकाय सदस्यों को किया संबोधित

रुद्रपुर/पंतनगर। गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि के कुलपति डॉ. शिवेंद्र कश्यप ने विवि और महाविद्यालयों के समग्र विकास, शोध संस्कृति को सशक्त बनाने, विद्यार्थियों की उपलब्धियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया है।

मंगलवार को कृषि महाविद्यालय के सभागार में संकाय सदस्यों से कुलपति ने कहा कि विवि में विद्यार्थियों के शैक्षणिक, व्यावसायिक और व्यक्तिगत विकास को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एडवाइजर प्रणाली को मजबूत किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि स्नातक विद्यार्थियों के लिए पखवाड़े में एक सलाहकार बैठक होगी। इनमें शैक्षणिक प्रदर्शन, उपस्थिति, परीक्षा परिणाम, व्यवहार, कौशल विकास, इंटर्नशिप, सॉफ्ट स्किल्स, अनुसंधान रुचि, भविष्य की करियर संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं बल्कि ऐसे सक्षम, नवाचारी और आत्मनिर्भर युवा तैयार करना है, जो समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

बैठक में कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर को एक मॉडल कॉलेज के रूप में विकसित करने की रूपरेखा पर भी विचार-विमर्श किया गया।

PANTNAGAR UNIVERSITY GETS ON THE PATH OF CREATING INSTITUTIONALIZED STRUCTURES FOR INDUSTRY HANDHOLDING

50 organizations of SIDCUL Pantnagar participated in a one day Industry Academia Meet to co-create the structures

---

पंत विवि में इंडस्ट्री–एकेडेमिया मीट का आयोजन, उद्योगों से समन्वय

कार्यक्रम में 50 उद्योगों के प्लांट हेड व एचआर हेड हुए शामिल, दिए सुझाव

संवाद सूत्र जागरण, पंतनगर : गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से' सिडकुल, रुद्रपुर स्थित प्रमुख उद्योगों के साथ समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से "इंडस्ट्री – एकेडेमिया मीट" का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में करीब 50 उद्योगों के प्लांट हेड एवं एचआर हेड शामिल हुए। कुलपति प्रो. एसके कश्यप ने कहा कि विश्वविद्यालय उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप शोध प्राथमिकताओं का निर्धारण करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर शोध विषयों को सरकार, उद्योग और किसानों की आवश्यकताओं से जोड़ा जाएगा, ताकि शोध कार्य व्यावहारिक एवं समाजोपयोगी साबित हो सके। बैठक में

इंडस्ट्री–एकेडेमिया मीट के दौरान कुलपति प्रो. एसके कश्यप एवं विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधि • जागरण

उद्योगों की शोध आवश्यकताओं, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण जरूरतों पर विस्तार से चर्चा की गई।

आगामी ग्रीष्मावकाश में लगभग 200 विद्यार्थियों के लिए समर इंटर्नशिप योजना भी तैयार की गई। कार्यक्रम में "एकेडमिक सोशल रिस्पान्सिबिलिटी" के तहत स्थानीय वनवासी कन्या छात्रावास की संचालिका वर्षा देवी को सम्मानित किया गया।

उद्योग प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय की पहल की सराहना करते हुए पारस्परिक संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए कई सुझाव दिए तथा भविष्य में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

उद्योगों की जरूरत पर होगा शोध

पंतनगर ,संवाददाता। पंत विवि ने उद्योगों और शिक्षण संस्थानों के बीच समन्वय मजबूत करने की दिशा में अहम पहल करते हुए सिडकुल, रुद्रपुर में 'इंडस्ट्री-एकेडेमिया मीट' का आयोजन किया। कार्यक्रम में करीब 50 उद्योगों के प्लांट हेड और एचआर हेड शामिल हुए।

शुक्रवार को विवि के कुलपति डॉ. एसके कश्यप ने कहा कि विवि अब उद्योगों, सरकार और किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप शोध कार्यों को प्राथमिकता देगा। उन्होंने कहा कि स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के शोध विषयों को व्यावहारिक जरूरतों से जोड़ा जाएगा। कुलपति ने उद्योग प्रतिनिधियों को पंतनगर परिवार का हिस्सा बताते हुए कहा कि विवि का

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि में आयोजित 'इंडस्ट्री-एकेडेमिया मीट' के दौरान कुलपति प्रोफेसर एसके कश्यप व विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधि। • हिन्दुस्तान

उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, साथ ही विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुख और उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप दक्ष बनाना है। आगामी ग्रीष्मावकाश में लगभग 200 विद्यार्थियों के लिए समर इंटर्नशिप योजना तैयार करने पर भी सहमति बनी। उद्योग प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय की पहल की सराहना करते हुए भविष्य में सहयोग बढ़ाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में एकेडमिक सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के तहत स्थानीय वनवासी कन्या छात्रावास की संचालिका वर्षा देवी के सम्मानित किया गया।

Discussing the Plans and Prospects: Important Meetings held with State authorities

VC Kashyap meets Chancellor Lt. Gen. (Retd.) Shri Gurmit Singh

VC Kashyap connects with Agriculture Minister Shri Ganesh Joshi

VC Kashyap also interacts with Chief Secretary Shri Anand Bardhan and Agriculture Secretary Dr. S.N. Pandey

Policy Level Interventions for Strengthening the Learning Ecosystem

Reenergizing the Advisory System

For undergraduate student advisory, a fortnightly meeting will be conducted by the concerned Advisor. The classroom performance, the problems of personal and professional life, the efforts related to skilling, internships, soft skills and future career prospects, etc. will be discussed in the meetings.

Enhancing the efficiency of each Department

Fortnightly meeting of the Head of Department with all Faculty Members of its respective department is mandatory to discuss the developments across the courses, examination conduction, copy checking, student researches aligned issues for Masters and PhD students, and other academic aspects.

Creating alignments between Collgegs and Directorates

For better complimentarity between colleges and Directorate of Research, the Head of Departments and Dean will decide the allocation of consultancy projects in consultation with the Directorate of Research.

Heading towards a Research-Oriented Ecosystem in Colleges

Each College of the University will make special thrust to bring adhoc projects. The College will constitute teams to focus on creating project proposals to get funding from various national and international bodies.

AN EFFORT TO TAKE SCIENTIFIC INNOVATIONS OF PANTNAGAR UNIVERSITY TO SOCIETY

Utilizing media-driven science communication for social welfare

अमृत विचार
शुक्रवार, 15 मई 2026
www.amritvichar.com
11

यूरेका

तन की शोभा बढ़ाएंगे डोंबेया के पौधे से बने कपड़े

प्राकृतिक फाइबर और हरित प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत को भी बड़ी सफलताएं मिल रही हैं। प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए हर देश नए उपाय खोज रहा है, तो भारत भी इसमें पीछे नहीं है। प्लास्टिक और सिंथेटिक फाइबर के बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए पंतनगर स्थित गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने डोम्बेया (डोंबेया एक्यूटेंगुला) पौधे के तने से प्राकृतिक फाइबर निकालने की तकनीक विकसित की है, जिसका उन्हें हाल ही में पेटेंट भी हासिल हो गया है।

मृगांक मौली, पंत नगर, ऊधमसिंह नगर

पंतनगर विवि स्थित सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के क्लोदिंग एंड टेक्सटाइल विज्ञान विभाग की शोधार्थी तैयबा फतीमा ने प्राध्यापक डॉ. शहनाज जहां के निर्देशन में डोम्बेया पौधे के तने से प्राकृतिक फाइबर निकालने में सफलता पाई है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह उपलब्धि केवल वैज्ञानिक सफलता नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में भी क्रांतिकारी कदम है। डोम्बेया से प्राप्त फाइबर पूरी तरह प्राकृतिक और बायोडिग्रेडेबल है, जिससे पर्यावरण पर इसका प्रभाव बहुत न्यूनतम होता है। शोध में पाया गया कि डोम्बेया से तैयार फाइबर मजबूत, टिकाऊ और लचीला है। इसकी गुणवत्ता अन्य पारंपरिक प्राकृतिक फाइबर जैसे कपास, जूट और पटसन के समान पाई गई है। यही कारण है कि इसे भविष्य में बड़े स्तर पर उपयोग के लिए संभावनाशील माना जा रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है यदि इसका व्यावसायिक उत्पादन बढ़ता है, तो प्लास्टिक उत्पादों पर निर्भरता कम हो सकती है। यह पर्यावरण और उद्योगों के लिए नई उम्मीद बन सकती है। उल्लेखनीय है कि गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, उत्तराखंड में स्थित भारत का पहला कृषि विश्वविद्यालय है, जिसकी स्थापना 17 नवंबर 1960 को हुई थी। इसे भारत में 'हरित क्रांति का अग्रदूत' और 'कृषि का गुरुकुल' भी कहा जाता है। यह विश्वविद्यालय कृषि, प्रौद्योगिकी और संबद्ध विज्ञानों में स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षा प्रदान करता है।

क्या है डोम्बेया पौधा

डोम्बेया एक फूल वाला झाड़ीदार पौधा है, जो भारत, मॉरीशस, पाकिस्तान और अन्य उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में पाया जाता है। इसके हल्के गुलाबी और सफेद फूल इसे आकर्षक बनाते हैं। यह पौधा मधुमक्खियों और तितलियों को आकर्षित करता है इसलिए इसे जैव विविधता के लिए भी उपयोगी माना गया है।

खदरी खड़कमाफ में भूत झोलकिया मिर्च के बीज बोते विशेषज्ञ। स्रोत : जागरूक पाठक

वन्यजीवों से फसल बचाएगी दुनिया की सबसे तीखी मिर्च

संवाद न्यूज एजेंसी

ऋषिकेश। ग्राम खदरी खड़क माफ श्यामपुर के खलियान कुंज में नागालैंड की विश्व प्रसिद्ध भूत झोलकिया मिर्च की खेती के लिए बीज बोए गए। इसकी खेती करने से वन्यजीवों से फसल की सुरक्षा होगी।

गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान विभाग के निदेशक डॉ. संजय कुमार वर्मा के निर्देशन में हिल एग्रीकल्चर पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। विशेषज्ञों के निर्देशन में बोए गए बीजों की समय-समय पर तकनीकी देखभाल की जाएगी। सफल उत्पादन के बाद किसानों के लिए उन्नत बीज तैयार किए जाएंगे।

एसोसिएट प्रो. ललित भट्ट ने बताया कि भूत झोलकिया मिर्च की खासियत इसका अत्यधिक तीखापन है, जो गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। इसे न वन्यजीव खाते हैं और न ही कीट नुकसान पहुंचाते हैं। सामान्य मिर्च से कई गुना ज्यादा तीखी इस मिर्च का इस्तेमाल भारत और विदेशों में आंसू गैस व आतंकवादी निरोधक बम बनाने में भी होता है। इसकी बाजार में भारी मांग है।

ग्राम खदरी खड़क माफ श्यामपुर के खलियान कुंज में बोए गए भूत झोलकिया मिर्च

पर्यावरणविद विनोद जुगलान ने उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में आर्थिक विकास के लिए कृषि नवाचारों पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि किसानों को ऐसी फसलों की ओर बढ़ना होगा जिन्हें वन्यजीव नुकसान न पहुंचा सके। केवल वन्यजीवों को फसल नुकसान के लिए जिम्मेदार ठहराने से समस्या हल नहीं होगी।

किसानों के साथ नीति-निर्माताओं को ऐसी फसलों का मसौदा तैयार करना होगा जिन्हें वन्यजीव क्षतिग्रस्त न करें। राज्य की आर्थिकी के लिए लीक से हटकर काम और नवाचारों को प्रोत्साहित करना जरूरी है। उन्होंने जीबी पंत विवि के कुलपति प्रो. शिवेंद्र कुमार कश्यप का आभार जताते हुए कहा कि ऐसे नवाचार राज्य के आर्थिक विकास को दिशा देंगे और रिवर्स माइग्रेशन को मजबूती मिलेगी। इस मौके पर कृषि वैज्ञानिक डॉ. उपेंद्र कुमार सिंह, पर्यावरण प्रेमी अखिल भंडारी आदि मौजूद रहे।

Vice-Chancellor holds a meeting with 70+ farmers of the University Farm

The farming community greeted VC Kashyap for his heartwarming gesture

50+ Institutional problems Resolved in 25 days

11 Grievance Redressal Sessions held with VC Kashyap

Pantnagar This Week is published by G.B. Pant University of Agriculture & Technology, Pantnagar, Uttarakhand **website : www.gbpuat.ac.in**